भारतीय एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन (IABF) की साधारण सभा
स्थान: होटल, सोपान हाइट्स करोल बाग, नई दिल्ली
दिनांक: 01.06.2025 (रविवार), अपरान्ह 03:00 बजे
उद्बोधन: डॉ. राकेश मिश्र

आदरणीय विशिष्ट अतिथि, सदस्यगण, देश के 38 राज्य खेल संघों के प्रतिनिधिगण, कोच, तकनीकी अधिकारीगण और मेरे प्रिय मित्रों,

नमस्कार एवं आप सभी का हार्दिक अभिनंदन।

सबसे पहले मैं हमारे मुख्य निर्वाचन अधिकारी, डॉ. अनुपम गोयल जी का हृदय से स्वागत करता हूँ। उनकी निष्पक्षता और प्रशासनिक अनुभव ने यह सुनिश्चित किया कि यह चुनाव पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता और गरिमा के साथ संपन्न हुआ।

मैं आप सभी का अत्यंत आभारी हूँ कि आपने मुझे निर्विरोध भारतीय एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन का अध्यक्ष चुना। यह आपके विश्वास और समर्थन का प्रतीक है, और मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि आप सबके सहयोग से इस जिम्मेदारी को हम पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर, भारतीय एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन का नव-निर्वाचित अध्यक्ष होने के नाते, मैं आप सभी का एक बार पुनः स्वागत करता हूँ। यह हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है कि हम उस संस्था से जुड़े हैं जिसकी स्थापना वर्ष 1948 में हुई — वही वर्ष जब स्वतंत्र भारत ने अपने कदम आगे बढ़ाने शुरू किए थे। तभी से यह संगठन भारतीय मुक्केबाजों को एक ऐसा मंच प्रदान करता आया है, जहाँ से उन्होंने देश का नाम राष्ट्रीय ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी रोशन किया है।

भारत में मुक्केबाज़ी का इतिहास अत्यंत प्राचीन है। *मल्ल युद्ध* और पारंपरिक शारीरिक प्रशिक्षण की हमारी परंपरा ने आधुनिक मुक्केबाज़ी की नींव रखी। समय के साथ जब अंतरराष्ट्रीय नियम और तकनीकें विकसित हुईं, तब भारतीय मुक्केबाज़ों ने उन्हें आत्मसात किया और विश्व पटल पर अपनी पहचान बनाई।

हमारे खिलाड़ियों ने ओलंपिक, एशियाई खेल, और कॉमनवेल्थ खेल जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया है। मैं उन सभी पूर्व और वर्तमान मुक्केबाज़ों को सादर नमन करता हूँ, जिन्होंने अपने परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से इस खेल को ऊँचाइयाँ प्रदान कीं।

भारतीय मुक्केबाज़ी का भविष्य: एक नई दिशा

अब समय आ गया है कि भारतीय मुक्केबाज़ी को एक नया, आधुनिक, और व्यावसायिक स्वरूप प्रदान किया जाए। जैसे क्रिकेट में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने खेल की दुनिया में क्रांति लाई, वैसे ही हम एक *नेशनल बॉक्सिंग लीग* की कल्पना कर रहे हैं। यह न केवल नई प्रतिभाओं को सामने लाएगी, बल्कि आर्थिक स्थिरता भी प्रदान करेगी और देश के कोने-कोने में मुक्केबाज़ी की लोकप्रियता को बढ़ाएगी।

हमारा उद्देश्य केवल खेल को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि इसे संस्थागत रूप से मजबूत करना है। इसके लिए हम भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय से स्थायी मान्यता प्राप्त करने के लिए सक्रिय प्रयास कर रहे हैं। इससे हमें योजनाबद्ध रूप से संसाधन प्राप्त होंगे और हमारे खिलाड़ियों को और बेहतर सुविधाएँ मिल सकेंगी।

हम पहले से ही 2036 ओलंपिक खेलों की तैयारी की दृष्टि से काम कर रहे हैं, जो संभावित रूप से भारत में आयोजित होंगे। हमारा संकल्प है कि उस समय भारतीय मुक्केबाज़ी टीम पूरी तैयारी के साथ, सर्वश्रेष्ठ कोचों और विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित होकर पदक तालिका में शीर्ष पर रहे। यह केवल सपना नहीं, हमारा लक्ष्य है — जिसे प्राप्त करने के लिए हम सभी को दिन-रात परिश्रम करना होगा।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य एवं चुनौतियाँ

आज जब वैश्विक स्तर पर खेलों का व्यावसायीकरण हो रहा है, और खिलाड़ी सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं, तो हमारे सामने भी कुछ अहम चुनौतियाँ हैं:

- युवाओं की खेलों में भागीदारी बढ़ाना
- तकनीकी रूप से उन्नत प्रशिक्षण उपलब्ध कराना
- खिलाड़ियों के लिए स्थायी करियर विकल्प उपलब्ध कराना
- और सबसे महत्वपूर्ण — जनता को खेलों से जोड़ना

"आईपीएल मॉडल पर आधारित मुक्केबाज़ी लीग: एक नवीन सोच"

हम मानते हैं कि खेल केवल स्टेडियमों तक सीमित नहीं रहना चाहिए — मुक्केबाज़ी को आम जनता तक पहुँचाना होगा।

इसी उद्देश्य से, भारतीय एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन एक *नेशनल बॉक्सिंग लीग* की परिकल्पना कर रहा है, जिसमें राज्य संघों, निजी प्रायोजकों, मीडिया और आम जन की भागीदारी होगी।

यह लीग केवल प्रतिस्पर्धा नहीं होगी, बल्कि:

- खिलाड़ियों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगी
- ग्रामीण प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच देगी
- और आम जनता को दर्शक के रूप में जोड़कर खेल का विस्तार करेगी

आप सभी के सहयोग से हम इस दिशा में नीतिगत ढाँचा तैयार करेंगे और आवश्यक साझेदारियों की स्थापना करेंगे।

राज्य संघों के लिए लक्ष्य आधारित योजना

सभी राज्य संघों के लिए एक वार्षिक लक्ष्य-आधारित ढाँचा लागू किया जा रहा है, जिसमें निम्नलिखित बिंदु शामिल होंगे:

1. वार्षिक रूप से कम से कम तीन प्रशिक्षण शिविर
2. जूनियर एवं महिला श्रेणी की प्रतियोगिताएँ
3. महिला खिलाड़ियों की न्यूनतम 25% भागीदारी
4. कोचों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएँ
5. त्रैमासिक प्रदर्शन आधारित रिपोर्टिंग

एक सामूहिक संकल्प :

मित्रों, यह केवल एक बैठक नहीं — यह एक *सामूहिक संकल्प* है। एक साझा दृष्टिकोण है कि हम भारतीय मुक्केबाज़ी को नई ऊँचाइयों तक लेकर जाएँ।

मैं सभी सदस्य संघों से अनुरोध करता हूँ कि इस नवाचार को स्वीकारें। आइए, हम मिलकर मुक्केबाज़ी को लोकप्रियता, पारदर्शिता और प्रगतिशीलता के मार्ग पर आगे बढ़ाएँ।

आप सभी का हृदय से धन्यवाद।

!! भारत माता की जय जय हिंद !!